राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 24 | मुंबई : बुधवार 15 अप्रैल 2026 से 21 अप्रैल 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

RSS कार्यक्रमों में 4 बार शामिल होने का आरोप, केजरीवाल का सवाल- 'क्या उन्हें मिलेगा न्याय?' जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा का जवाब सामने आया...

दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को आबकारी नीति मामले में आरोप मुक्त किए गए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत अन्य लोगों की याचिका पर सुनवाई की। इसमें अनुरोध किया गया है कि अधीनस्थ अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को अलग किया जाए। सुनवाई के दौरान अरविंद केजरीवाल ने अपनी दलील रखी और जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा पर सवाल खड़े कर दिए।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, एक संगठन है, अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद। उनके इवेंट को योर ऑनर 4 बार अटेंड करके आई थीं। उनकी जो आइडियोलॉजी है, हम उसके सख्त खिलाफ हैं। ये केस पॉलिटिकल है। अगर योर ऑनर किसी एक विचारधारा का प्रोग्राम अटेंड कर रही हैं तो मेरे दिमाग में एक आशंका पैदा हो ती है। इस पर जज ने पूछा, क्या शंका कि मैं उस विचारधारा की हूं। इस पर केजरीवाल ने कहा, आपके चार बार जाने से मेरे दिमाग में शंका पैदा होती है कि क्या मुझे इंसाफ मिलेगा।

जज ने क्या दिया जवाब

इस पर जज ने कहा, आपने अपने आवेदन में प्रोग्राम का लिंक नहीं दिया है। मेरा एक सवाल है कि

जब मैं उस कार्यक्रम में गई, तब क्या मैंने क्या कोई आइडियोलॉजिकल या राजनीतिक बयान दिया और क्या ये कोई लीगल प्रोग्राम था।

केजरीवाल ने अपनी बात रखते हुए कहा, अभी कुछ दिन पहले गृह मंत्री अमित शाह ने एक बयान दिया कि हाई कोर्ट से जो आदेश आएगा, उसके खिलाफ केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ेगा। इस पर जज ने पूछा कि कोई क्या कहता है, इस पर मेरा क्या कंट्रोल है?

केजरीवाल ने आगे कहा, अभी कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक मुद्दा चल रहा है कि पुराना रिवाज है कि जज के नियर और डियर किसी पार्टी से जुड़े होते थे जो वह जज उस केस से पीछे हट जाते थे।

बता दें, जज ने 6 अप्रैल को खुद को मामले से अलग करने के आप प्रमुख के आवेदन को रिकॉर्ड में लिया था और इसे 13 अप्रैल की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था। केजरीवाल ने जस्टिस शर्मा को मामले से अलग करने का अनुरोध करते हुए दावा किया था कि इस बात की गंभीर, वास्तविक और उचित आशंका है कि उनके समक्ष मामले की सुनवाई निष्पक्ष नहीं होगी।

केजरीवाल के अलावा मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक समेत अन्य आप नेताओं ने भी न्यायाधीश को मामले से अलग करने के लिए आवेदन दायर किए हैं। विजय नायर और अरुण रामचंद्र पिल्लई सहित अन्य प्रतिवादियों ने भी इसी तरह के आवेदन दायर किए हैं। अधीनस्थ अदालत ने 27 फरवरी को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को बरी कर दिया और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को फटकार लगाते हुए कहा कि उसका मामला न्यायिक जांच में पूरी तरह से विफल रहा और पूरी तरह से निराधार साबित हुआ।

मुंबई : बांद्रा में दिनदहाड़े 25 वर्षीय सिक्योरिटी गार्ड का रेता गला, अस्पताल में मौत

मुंबई : मुंबई के सबसे व्यस्त बिजनेस हब में एक चौंकाने वाली घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार दोपहर करीब 2:15 बजे बांद्र ईस्ट के टेन बीकेसी कॉम्प्लेक्स के मेन गेट के बाहर 25 वर्षीय सिक्योरिटी गार्ड की दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या कर दी गई। घायल गार्ड को तुरंत बांद्रा ईस्ट के गुरु नानक अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

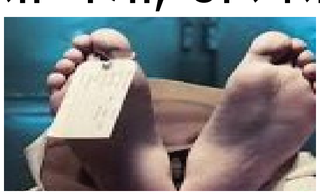

अज्ञात हमलावर ने गार्ड पर चाकू से हमला किया और उसके गले पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद गार्ड ने किसी तरह कॉम्प्लेक्स के अंदर भागने की कोशिश की, लेकिन अंदर पहुंचते ही वह गिर पड़ा। बीकेसी जैसे हाई-सिक्योरिटी वाले बिजनेस हब में दिनदहाड़े हुई इस बेरहम हत्या ने आसपास के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना दिया है। लोग अब सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। दूसरे सिक्योरिटी गार्ड ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया, ''मैं ड्यूटी पर करीब 3 बजे पहुंचा तो पता चला कि पहले से उस पर हमला हो चुका है।

मुंबई : मालाड से धारावी तक 15 ठिकानों पर छापे..

१३.६९ लाख रुपए का माल जब्त, १६ गिरफ्तार

मुंबई : महायुति सरकार की नाक के नीचे मुंबई में प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू का काला कारोबार खुलेआम जारी है। बैन के बावजूद बाजार गर्म है और माफिया बेखौफ होकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। इस बीच खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मालाड से लेकर धारावी तक १५ ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर १३.६९ लाख रुपए का प्रतिबंधित माल जब्त किया और १६ आरोपियों

को गिरफ्तार किया है।

मुंबई में प्रतिबंध के बावजूद गुटखा और तंबाकू का अवैध धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक अप्रैल से १३ अप्रैल २०२६ के बीच चलाए गए विशेष अभियान के तहत एफडीए ने शहर के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर इस नेटवर्क को झटका देने की कोशिश की है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, २००६ के तहत सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। वहीं १६ जुलाई २०२५ से महाराष्ट्र में गुटखा, पान मसाला, स्वादयुक्त तंबाकू, सुपारी, खर्रा और मावा जैसे उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है, लेकिन इसके बावजूद इनका कारोबार जारी है।

मुंबई के डोंगरी में मामूली टक्कर के बाद हिंसा: मौलाना खालिद अशरफ के परिवार पर हमला, 3 घायल...

मुंबई: दक्षिण मुंबई के डोंगरी इलाके में दो दोपहिया वाहनों के बीच हुई मामूली टक्कर ने अचानक हिंसक रूप ले लिया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना 12 अप्रैल की शाम करीब 7:30 बजे की है, जब सैयद मोहम्मद अशरफ (30) अपने स्कूटर से पाला गली से घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी एक युवक की मोटरसाइकिल से हल्की टकरा गई, जो स्थानीय निवासी माजिद लाला का बेटा बताया जा रहा है। टक्कर के बाद जब अशरफ ने युवक से सवाल किया, तो विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि युवक ने आक्रामक व्यवहार किया और गाली-गलौज शुरू कर दी। स्थिति तब और बिगड़ गई जब उसने अपने पिता माजिद लाला को वीडियो कॉल किया और दोनों ने कथित रूप से अशरफ के साथ बदसलूकी की। करीब 7:40 बजे, सैयद मोहम्मद खालिद अशरफ (64) अपने दो बेटों के साथ एक पारिवारिक कार्यक्रम में जा रहे थे। जैसे ही वे निशानपाड़ा रोड स्थित दाऊद फजल स्कूल के पास पहुंचे, 10 से 12 लोगों के एक समूह ने उन्हें रोक लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, समूह में शामिल एक आरोपी 'पीरू' ने अशरफ की पहचान कराते हुए कहा कि वह ड्रग्स के खिलाफ बोलने वाला व्यक्ति है। इसके बाद भीड़ ने परिवार के साथ गाली-गलौज की और अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने कथित तौर पर कुर्सियों, डंडों, बांस और लकड़ी की सीढ़ी जैसी चीजों से हमला किया। इस हमले में तीन लोग घायल हो गए।

पुलिस कार्रवाई: पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

निष्कर्ष: एक मामूली सड़क दुर्घटना ने गंभीर हिंसा का रूप ले लिया, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

मुंबई पर मंडरा रहा डेंगू-मलेरिया का खतरा...

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में मच्छर जनित बीमारियों का खतरा एक बार फिर तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। मानसून अभी शुरू भी नहीं हुआ है, लेकिन डेंगू और मलेरिया के शुरूआती आंकड़े ही चिंता पैदा करने के लिए काफी हैं। हर साल की तरह इस बार भी प्रशासन की ओर से कई अभियान चलाने और सख्त निगरानी के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन पिछले वर्षों के आंकड़े और मौजूदा हालात इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े करते नजर आते हैं। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अगर अभी से ठोस और सख्त कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले मानसून में मुंबई को मच्छर जनित बीमारियों के बड़े प्रकोप का सामना करना पड़ सकता है।

साल की शुरूआत में ही बढ़े मामले

मुंबई मनपा और स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष २०२६ की शुरूआत से ही डेंगू और मलेरिया के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। सामान्यतः इन बीमारियों के मामले मानसून के दौरान ज्यादा देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार बरसात से पहले ही मरीज सामने आने लगे हैं।

जनवरी - ७ मार्च २०२६ (मनपा के आंकड़े)

1. मलेरिया- ९१८, इनमें २२२ मामले प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के।
2. डेंगू- १८२, मामलों में लगातार बढ़ोतरी।
3. चिकनगुनिया- ९, सीमित लेकिन खतरा मौजूद।

हालांकि, राहत की बात यह है कि इस अवधि के दौरान इन बीमारियों से किसी भी मरीज की मौत दर्ज नहीं हुई है। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल शुरूआती संकेत हैं और असली चुनौती मानसून के दौरान सामने आती है।

पांच साल के आंकड़े खोल रहे सच्चाई

पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो साफ दिखाई देता है कि मच्छर जनित बीमारियां मुंबई में लगातार गंभीर समस्या बनती जा रही हैं। महामारी के दौरान मामलों में कुछ कमी जरूर आई थी, लेकिन जैसे ही शहर सामान्य स्थिति में लौटा, डेंगू और मलेरिया के मामलों ने फिर से तेजी पकड़ ली। पिछले साल स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक रही। केवल अगस्त २०२५ के महीने में ही मलेरिया और डेंगू के मामलों में भारी उछाल दर्ज किया गया था।

- मलेरियाः १,५५३ मामले
- डेंगूः १,१५९ मामले

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति इस बात का संकेत थी कि शहर में मच्छरों पर नियंत्रण की व्यवस्था पर्याप्त प्रभावी नहीं है।

'जीरो मॉस्किटो ब्रीडिंग' अभियान पर सवाल

बढ़ते खतरे को देखते हुए मनपा ने 'जीरो मॉस्किटो ब्रीडिंग अभियान' चलाने का दावा किया है। इसके तहत घर-घर सर्वेक्षण, बुखार की जांच, संदिग्ध क्षेत्रों से रक्त नमूने लेना और पानी जमा होने वाले स्थानों की जांच जैसे कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि हर साल यही अभियान चलाने के बावजूद आखिर मामलों में कमी क्यों नहीं आ रही?

मुंबई में आईईएस स्किल टेक यूनिवर्सिटी बनेगी, मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी, स्वयं-वित्तपोषित आधार पर करेगा काम

मुंबई : इंडियन एजुकेशन सोसाइटी को मुंबई में आईईएस स्किल टेक यूनिवर्सिटी बनाने की मंजूरी मंत्रिमंडल ने दे दी है। यह यूनिवर्सिटी बांद्रा में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। यह यूनिवर्सिटी स्थायी रूप से स्वयं-वित्तपोषित (सेल्फ-फाइनेंस) आधार पर एक निजी कौशल विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करेगा। दरअसल कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता से संबंधित राष्ट्रीय नीति वर्ष 2015 में घोषित की गई थी।

नीति के तहत, रोजगार के अवसर और उपलब्धता के बीच की असमानता को दूर करने के लिए कौशल प्रशिक्षण आवश्यक बताया गया है। इसके साथ 'स्किल इंडिया' की तर्ज पर 'कुशल महाराष्ट्र, रोजगार युक्त महाराष्ट्र' नीति के तहत राज्य में कौशल विश्वविद्यालय स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, राज्य में स्थायी रूप से स्वयं-वित्तपोषित आधार पर निजी कौशल विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए वर्ष 2021 में नियमन और कार्यप्रणाली संबंधी दिशा-निर्देश तय किए गए हैं। इन्हीं के अनुसार इस विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी, जहां कौशल विकास से जुड़े विभिन्न पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे।

स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जापान की एजेंसी जायका से 3,708 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता लेने को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के तहत मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और अस्पतालों में आधुनिक सुविधाएं और उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में अब सदस्यों की नियुक्ति चुनाव के बजाय नामांकन के जरिए की जाएगी और परिषद की सदस्य संख्या 18 से बढ़ाकर 23 की जाएगी, जिससे कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी हो सकेगी।

मुंबई : दक्षिण और मध्य मुंबई के कई इलाकों में 18 घंटे नहीं मिलेगा पानी, इन इलाकों में होगी भारी कटौती

मुंबई : एक बार फिर पानी की सप्लाई को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बीएमसी ने मरम्मत कार्य के चलते दक्षिण और मध्य मुंबई के कई इलाकों में 18 घंटे की पानी कटौती का ऐलान किया है। इसके अलावा, गर्मी बढ़ने की वजह से कई डैम में पानी का स्तर भी कम हो रहा है। इन सब वजहों से अलग-अलग इलाकों से लगातार पानी कटौती की खबरें आ रही हैं। यह कटौती 16 अप्रैल 2026 (गुरुवार) सुबह 10 बजे से शुरू होकर 17 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) सुबह 4 बजे तक जारी रहेगी। बीएमसी के अनुसार, सेवरी इलाके में नए वाल्व लगाने का काम किया जाएगा, जिसके कारण यह शटडाउन जरूरी है।

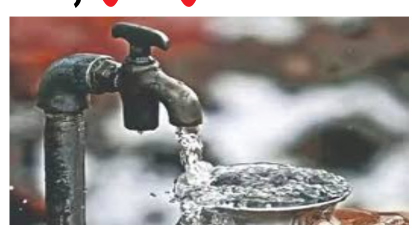

- इस दौरान मुंबई के कई प्रमुख वार्ड पूरी तरह प्रभावित रहेंगे। अ वार्ड के अंतर्गत CSMT स्टेशन, पी डी' मेलो रोड, सेंट जॉर्ज अस्पताल और फ्इक के आसपास के क्षेत्रों में पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी।

- इ वार्ड में मस्जिद बंदर, उमरखाडी, डोंगरी और आसपास की गलियों में भी पानी नहीं मिलेगा। उ वार्ड के बोरा बाजार और कालबादेवी जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में 17 अप्रैल को पानी की किल्लत देखने को मिलेगी।

कुछ इलाकों में कम रहेगा पानी का दबाव इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में पूरी तरह सप्लाई बंद नहीं होगी, लेकिन पानी का दबाव काफी कम रहेगा। ए वार्ड के नागपाड़ा, भायखला, जे.जे. रोड, अग्रीपाडा और चिंचपोकली में लो-प्रेशर सप्लाई रहेगी। वहीं F-South वार्ड के लालबाग, शिवडी, वडाला (पूर्व), दादर और हिंदमाता में भी पानी का दबाव कम रहने की संभावना है। इन इलाकों के निवासियों को भी एहतियात के तौर पर पानी स्टॉक करने की सलाह दी गई है। बीएमसी ने नागरिकों से अपील की है कि वे पानी का सोच-समझकर इस्तेमाल करें और कटौती के दौरान अनावश्यक पानी की बबार्दी से बचें।

मुंबई : ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर तेज रफ़्तार डंपर ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी

मुंबई : ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ जिसमें तेज रफ्तार डंपर ट्रक की टक्कर से दो मोटरसाइकिल सवारों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार यह घटना 12 अप्रैल को लगभग शाम 5:25 बजे उस समय हुई जब दोनों लोग ठाणे से मुंबई की ओर साउथबाउंड कैरिजवे पर यात्रा कर रहे थे। मोटरसाइकिल पर सवार दोनों व्यक्ति एक ही दिशा में आगे बढ़ रहे थे और इसी दौरान पीछे से आ रहे एक डंपर ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही विक्रोली पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल राजावाड़ी हॉस्पिटल में इलाज के लिए भेजा गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों को बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन हालत बेहद गंभीर होने के कारण शाम करीब 6:20 बजे दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

मुंबई : हावड़ा के बीच चलेंगी 2 स्पेशल ट्रेनें, गर्मी की छुट्टियों में मिलेगी बड़ी राहत

मुंबई : गर्मियों की छुट्टियों में ट्रेनों में होने वाली भारी भीड़ को देखते हुए मध्य रेल ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। रेलवे ने मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस और हावड़ा के बीच 2 अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इससे न केवल यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलने में आसानी होगी, बल्कि यात्रा भी सुगम हो सकेगी।

ट्रेन का टाइम-टेबल और रूट

रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 01145 एलटीटी से हावड़ा स्पेशल 14 अप्रैल 2026 को रात 20:15 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 6 बजे हावड़ा पहुंचेगी। वहीं, वापसी में ट्रेन संख्या 01146 हावड़ा से एलटीटी 16 अप्रैल 2026 को दोपहर 14:45 बजे हावड़ा से छूटेगी और अगले दिन रात 23:45 बजे मुंबई एलटीटी पहुंचेगी।

इन प्रमुख स्टेशनों पर होगा ठहराव

यह ट्रेन महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कई महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ेगी। इसके ठहराव ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, अकोला, बड़नेरा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर, खड़गपुर और संतरागाछी स्टेशन है। कोच कंपोजिशन की बात करें तो इस स्पेशल ट्रेन में एसी से लेकर जनरल कोच तक की सुविधा दी गई है। इसमें 2 एसी-2 टियर, 9 एसी-3 टियर, 3 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास, 1 सेकंड सीटिंग सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर वैन है।

टिकटों की बुकिंग कब?

इन दोनों विशेष ट्रेनों के लिए बुकिंग शुरू हो चुकी है। यात्री अपना टिकट ऑनलाइन IRCTC की आधिकारिक वेबसाइट www.irctc.co.if या RilOne ऐप के जरिए आसानी से टिकट बुक कर सकते हैं। जबकि किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केंद्र (PRS काउंटर) पर जाकर भी टिकट लिया जा सकता है। अनारक्षित डिब्बों के लिए टिकट सामान्य किराए पर उपलब्ध होंगे। गर्मियों में मुंबई से पूर्वी भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

महाराष्ट्र में श्रमिकों के लिए बदले काम के घंटे, सरकार ने जारी की एसओपी

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को राज्य के शहरी इलाकों के गर्मी जोखिम वाले जिलों में बाहरी अनौपचारिक श्रमिकों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) जारी कीं। राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन की ओर से जारी एडवाइजरी के मुताबिक, गर्मी की चेतावनियों के दौरान बाहरी काम के घंटों को बदलकर सुबह 6 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक, यानी ठंडे समय में करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही, ऑरेंज और रेड अलर्ट के दौरान दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनिवार्य रूप से आराम के ब्रेक देने और विशेष रूप से निर्माण, औद्योगिक और वेंडिंग क्षेत्रों में काम की शिफ्टों को निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है।

इसके अलावा, आधिकारिक जिला या शहरी स्थानीय निकाय परिपत्र जारी करना आवश्यक होगा, जिनमें विशेष रूप से निर्माण, औद्योगिक और वेंडिंग क्षेत्रों में कार्य-समय में बदलाव को अनिवार्य किया जाए। महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रोशनी, परिवहन और सुरक्षात्मक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। इस एसओपी की आवश्यकता इसलिए पड़ी, क्योंकि महाराष्ट्र भारत के उन शीर्ष 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल है, जो गर्मी के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील हैं। इसके अलावा, आधिकारिक जिला या शहरी स्थानीय निकाय परिपत्र जारी करना आवश्यक होगा, जिनमें विशेष

रूप से निर्माण, औद्योगिक और वेंडिंग क्षेत्रों में कार्य-समय में बदलाव को अनिवार्य किया जाए। महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रोशनी, परिवहन और सुरक्षात्मक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। इस एसओपी की आवश्यकता इसलिए पड़ी, क्योंकि महाराष्ट्र भारत के उन शीर्ष 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल है, जो गर्मी के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील हैं।

राज्य हीट एक्शन प्लान के मुताबिक, विदर्भ, मराठवाड़ा और खानदेश क्षेत्रों के 15 जिलों को अत्यधिक गर्मी के प्रति बहुत ज्यादा संवेदनशील माना गया है। इन जिलों में लातूर, अमरावती, यवतमाल, वाशिम, अकोला, बुलढाणा, नागपुर, वर्धा, चंद्रपुर, गोंदिया, भंडारा, जलगांव, नंदुरबार, धुले और नांदेड़ शामिल हैं। यह एसओपी उन सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों पर लागू होता है, जो उच्च जोखिम वाले शहरी क्षेत्रों में कार्यरत हैं। एसओपी के मुताबिक, बाजारों, चौराहों, ट्रैफिक जंक्शनों, ट्रांजिट हब और वेंडिंग क्षेत्रों सहित प्रमुख अनौपचारिक कार्य स्थलों पर पानी के बूथ लगाना जरूरी होगा, ताकि स्पष्ट साइनेज और नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था के साथ सभी को पानी उपलब्ध हो सके। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, वार्ड कार्यालयों और एनजीओ के माध्यम से ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) और इलेक्ट्रोलाइट सैशे का वितरण किया जाना होगा। दोपहर के समय पार्क और बगीचे खुले और लोगों के लिए उपलब्ध रहने चाहिए। साथ ही, वेंडिंग क्षेत्रों, मजदूर चौकों, मजदूरों के लिए तय जगहों और ट्रैफिक जंक्शनों पर गर्मी से बचाव के लिए अस्थायी शेड लगाए जाएंगे। जहां तक मेडिकल तैयारियों और निगरानी की बात है, तो प्राइमरी हेल्थ सेंटर और शहरी हेल्थ सेंटर में ओआरएस, आईवी फ्लूइड्स और गर्मी से होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए किट का स्टॉक रखना होगा। आशा कार्यकताओं और वार्ड हेल्थ वर्करों को गर्मी से जुड़ी बीमारियों के बारे में ट्रेनिंग देने की जरूरत है। ज्यादा जोखिम वाले इलाकों में 108 एम्बुलेंस पहले से तैनात करनी होगी और ज्यादा जोखिम वाले दिनों में रिस्पॉन्स टाइम पर नजर रखनी होगी। एसओपी में शहरी प्लानिंग और डिजाइन में छायादार सार्वजनिक जगहों को बढ़ावा देने, पेड़ लगाने, रिफ्लेक्टिव सतहों और मिस्टिंग सिस्टम लगाने का निर्देश दिया गया है।

मुंबई : राज्य कैबिनेट ने एमपीएससी भर्ती प्रक्रिया में बड़े बदलावों को मंजूरी दी

मुंबई : सरकारी नौकरी में भर्ती में ट्रांसपेरेंसी और आसानी लाने के मकसद से, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में राज्य कैबिनेट ने एक बड़ा फैसला लिया है। 2047 तक महाराष्ट्र को ज्यादा काबिल और मॉडर्न राज्य बनाने के मकसद से सरकारी नौकरी में भर्ती प्रोसेस को बेहतर बनाया जाएगा। अभी एमपीएससी के जरिए करीब 53 कैडर की भर्ती होती है, लेकिन राज्य सरकार ने आज की कैबिनेट मीटिंग में भविष्य में इस संख्या को बढ़ाकर 153 करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की मीटिंग हुई।

राज्य सरकार के इस फैसले से, जॉइंट एग्जाम के जरिए भर्ती के लिए पहले से ज्यादा सर्विस मिलेंगी। इससे स्टूडेंट्स को एक ही एग्जाम के जरिए कई पोस्ट के लिए मौके मिलेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार ने वढरउ की तर्ज पर महाजॉब्स पोर्टल के जरिए निपुण सेतु पहल को लागू करने का फैसला किया है। आसान शब्दों में कहें तो, सरकारी भर्ती बड़े पैमाने पर, आसान तरीके से और डिजिटल फॉर्मेट में की जाएगी।

राज्य कैबिनेट ने लिए 7 अहम फैसले

सरकारी सेवाओं में पोस्ट के लिए भर्ती प्रोसेस को बेहतर बनाया जाएगा। डेवलप्ड महाराष्ट्र 2047 के विजन डॉक्यूमेंट के हिसाब से एक्शन प्लान। एमपीएससी के जरिए भर्ती होने वाली अलग-अलग सर्विसेज के कैडर की संख्या 53 से बढ़ाकर 153 की जाएगी। जॉइंट एग्जामिनेशन स्कीम में कुछ नई सर्विसेज शामिल की जाएंगी। भर्ती प्रोसेस को आसान बनाया जाएगा।

मुंबई : हेल्थ इंफ्रा के लिए 3,708 करोड़ की जापानी मदद..

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने घोषणा की कि उसे राज्य में एक बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी से ₹3,708 करोड़ की वित्तीय सहायता मिलेगी।एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मेडिकल शिक्षा और औषधि विभाग द्वारा प्रबंधित यह फंडिंग, राज्य की मेडिकल शिक्षा प्रणाली, नर्सिंग सेवाओं और स्वास्थ्य सेवा वितरण तंत्र को मजबूत करने के लिए समर्पित होगी। राज्य सरकार ने आगे बताया कि महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल से संबंधित अधिनियम में संशोधन किए जाएंगे, जो मेडिकल पेशेवरों को विनियमित करता है। एक उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर, इसकी प्रशासनिक और संस्थागत संरचना में बदलाव किए जाएंगे। विशेष रूप से, काउंसिल के सदस्यों की नियुक्ति अब चुनावों के बजाय सरकारी नामांकन के माध्यम से की जाएगी। संतुलित क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक कदम के रूप में, छह और जिलों - हिंगोली, जालना, पालघर, बीड, धुले और परभणी - को नीति आयोग के 'आकांक्षी जिला कार्यक्रम'में शामिल किया गया है। मौजूदा 27 आकांक्षी तालुकों और 150 नए जोड़े गए तालुकों के साथ, कुल 177 तालुकों में योजना विभाग के तहत समग्र और गतिशील विकास योजनाओं को लागू किया जाएगा। सरकारी सेवा पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण सुधारों की घोषणा की गई। 'विकसित महाराष्ट्र 2047'विजन डॉक्यूमेंट के अनुरूप, महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से सेवा कैडरों की भर्ती 53 से

दोगुनी होकर 153 हो जाएगी। प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए नई सेवाओं को संयुक्त परीक्षा योजना में एकीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, UPSC के ढांचे पर आधारित 'महा जॉब्स पोर्टल'के माध्यम से 'निपुण सेतु'पहल को लागू किया जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्चर और यूटिलिटीज क्षेत्र में, सरकार ने कुलगांव-बदलापुर के अनुमोदित विकास योजना में एक स्टेडियम के लिए आरक्षित भूमि के उपयोग को बदलने का निर्णय लिया है। यह भूमि अब एक पावर सबस्टेशन के लिए आवंटित की जाएगी, जिसमें से चार एकड़ भूमि टाटा पावर कंपनी को हस्तांतरित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, मुंबई में आईईएस स्किल टेक यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए भी मंजूरी दे दी गई है। एक स्थायी रूप से स्व-वित्तपोषित निजी कौशल विश्वविद्यालय के रूप में, इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन के विकास को बढ़ावा देना है। राज्य ने नाबार्ड के 'ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कोष'के तहत तटीय आबादी की जरूरतों को भी संबोधित किया। पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन विभाग द्वारा तटीय ज़िलों के मछुआरों को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए ₹61.24 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है।

मुंबई : अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर रोशनी से नहाया बांद्रा-वर्ली सी लिंक, दिखा अद्भुत नजारा

मुंबई : भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर शहर का प्रतिष्ठित बांद्रा-वर्ली सी लिंक रोशनी से जगमगा उठा। इस खास मौके पर पूरे ब्रिज को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया, जिसने मुंबईकरों और पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रविवार देर शाम जैसे ही अंधेरा छाया, समुद्र के बीच बना यह आइकॉनिक ब्रिज रंग-बिरंगी रोशनी से चमकने लगा। नीली, सफेद और सुनहरी रोशनी के संयोजन ने इस ऐतिहासिक अवसर को और भी भव्य बना दिया। इस नजारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग समुद्र किनारे और आसपास के इलाकों में जुटे। हर साल 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली अंबेडकर जयंती से पहले इस तरह की सजावट सामाजिक समरसता और सम्मान का प्रतीक मानी जाती है।

मुंबई : महाराष्ट्र के राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय रैंकिंग बेहतर करने की अपील की

मुंबई : महाराष्ट्र के राज्यपाल और विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य के राष्ट्रीय रैंकिंग में फिलहाल केवल एक या दो विश्वविद्यालय ही शामिल हैं, और इस स्थिति में बदलाव आना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्लस्टर विश्वविद्यालय अपेक्षाकृत नए हैं, लेकिन उनसे संबद्ध कॉलेज सुस्थापित और प्रतिष्ठित हैं। इसलिए इन विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर बनाने के लिए ठोस प्रयास करने चाहिए। राज्यपाल लोक भवन में आयोजित राज्य के चार क्लस्टर विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 'विकसित भारत'के लक्ष्य पर जोर देते हुए तपेदिक (टीबी) को पूरी तरह से खत्म करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने क्लस्टर विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे छात्रों को 'टीबी मुक्त भारत अभियान'में सक्रिय रूप से शामिल करें। उन्होंने जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर प्रतियोगिताएं, मराठी और हिंदी में जिंगल्स, और अन्य नए तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। मीटिंग के दौरान विश्वविद्यालयों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने, नए कोर्स, बेहतरीन तरीकों, रिसर्च प्रोजेक्ट्स, कौशल-आधारित कार्यक्रमों, छात्रों के एडमिशन, खास उपलब्धियों, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग के बारे में जानकारी दी।

यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि संबंधित पक्षों, संगठनों और नागरिकों को समिति के निष्कर्षों के संबंध में ईमेल के जरिए अपनी राय या आपत्तियां दर्ज कराने के लिए और ज्यादा समय मिल सके। इच्छुक व्यक्तियों या समूहों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी औपचारिक बात या आवेदन आधिकारिक ईमेल पोर्टल के जरिए जमा करें। इस समय-सीमा विस्तार का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि महाराष्ट्र के भीतर अनुसूचित जाति आरक्षण के पुनर्गठन के संबंध में कोई भी अंतिम प्रशासनिक फैसला लेने से पहले, समीक्षा प्रक्रिया ज्यादा समावेशी और पारदर्शी हो।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

वार्ता नाकाम, जंग जारी रहेगी...

अमरीका-ईरान की शांति-वार्ता नाकाम और बेनतीजा रही। यही इसकी नियति थी। हालांकि बेहद महत्वपूर्ण कूटनीतिक प्रयास किया गया था कि दोनों दुश्मन देशों के प्रतिनिधि आमने-सामने बैठे, तीन चरण की बातचीत 21 घंटे चली, लेकिन जिद और अमरीका की 'लठैतबाजी' के कारण वार्ता विफल रही। सितंबर, 2013 के बाद यह दूसरा मौका था, जब अमरीका और ईरान के प्रतिनिधि आमने-सामने बैठे और संवाद किया। तब अमरीका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ईरान के राष्ट्रपति हसन रुहानी को आमंत्रित किया था। तब भी बुनियादी मुद्दा परमाणु कार्यक्रम का था। तत्कालीन अमरीकी विदेश मंत्री जॉन कैरी और ईरानी समकक्ष मुहम्मद जावेद जरीफ के दरमियान बातचीत हुई थी, नतीजतन 2015 में 'परमाणु करार' हुआ था। बेशक बाद में उसे रद्द कर दिया गया। इस बार अमरीका यह चाहता था कि ईरान का करीब 450 किग्रा. सवंर्धित यूरेनियम नष्ट किया जाए अथवा अमरीका को अपने देश ले जाने दिया जाए। इस पर समझौता कैसे संभव था? ईरान ने परमाणु कार्यक्रम छोड से ही साफ इंकार कर दिया। हालांकि परमाणु बम बनाने की रणनीति अभी स्पष्ट नहीं है। अलबत्ता रूस का दावा है कि ईरान परमाणु हथियार बना चुका है। यह बेहद खौफनाक और विध्वंसकारी खबर है, लेकिन हमें ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की घोषणा का इंतजार करना चाहिए। अमरीकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने परमाणु मुद्दे पर ईरान के अड़े रहने पर ही शांति-वार्ता की नाकामी की घोषणा की और प्रतिनिधिमंडल समेत सुबह 7.35 बजे ही वॉशिंगटन लौट गए। ईरान पक्ष का दावा है कि 2-3 मुद्दों पर सहमति बन चुकी थी। अमरीका को बातचीत से निकलने और दोबारा युद्ध छेड का बहाना चाहिए था, लिहाजा उसने वार्ता को विफल करार दे दिया। ईरान ने यह भी स्पष्ट किया कि निकट भविष्य में फिर वार्ता शुरू करने की कोई योजना नहीं है।

अब गेंद अमरीका के पाले में है। ईरान ने यह भी कहा कि होर्मुज पर पेंच फंसा रहा। वहां अब भी ईरान का नियंत्रण रहेगा और अमरीका-इजरायल के जहाज वहां से गुजर नहीं पाएंगे। ईरान की फ्रीज संपत्तियों और पाबंदियों पर अमरीका ने कोई बातचीत ही नहीं की। गौरतलब है कि अमरीका ने ईरान पर 711 पाबंदियां थोप रखी हैं और ईरान की 11 लाख करोड़ रुपए की संपत्तियां अमरीका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ ने जब्त कर रखी हैं। एक बयान यह भी है कि ईरान 93 लाख करोड़ रुपए की संपत्तियों को जारी करने की मांग कर रहा है। उसकी अरबों की संपत्तियां जापान और चीन की जब्ती में भी हैं। दरअसल गंभीर और मौजू सवाल यह है कि क्या अमरीका ईरान पर नए सिरे से युद्ध थोपेगा?

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : वंदे भारत स्लीपर ट्रेन: बेंगलुरु से मुंबई के बीच चलेगी नई सुपरफास्ट ट्रेन...

मुंबई : अब लंबी दूरी का सफर और भी आरामदायक होने वाला है। केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु से मुंबई के बीच नई भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दे दी है। यह ट्रेन केएसआर बेंगलुरु रेलवे स्टेशन और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस तक जाएगी। यह जानकारी बीजेपी सांसद पीसी मोहन ने एक्स हैंडल (पूर्व ट्विटर) पर दी।

प्रीमियम नाइट ट्रैवल का नया एक्सपीरियंस

यह वंदे भारत स्लीपर ट्रेन खास तौर पर रात में लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों के लिए बनाई जा रही है। इसमें आधुनिक सुविधाएं, बेहतर सीटिंग, स्लीपिंग अरेंजमेंट और पहले से कम समय में यात्रा पूरी करने का फायदा मिलेगा। रेलवे का मकसद है कि यात्रियों को फ्लाइट जैसे आराम ट्रेन में मिल सके, ताकि लोग ज्यादा से ज्यादा रेल यात्रा को चुनें।

किन शहरों से होकर ट्रेन गुजरेगी

सेंट्रल रेलवे के सूत्रों के मुताबिक, नई वंदे भारत ट्रेन पुणे, सोलापुर, कलबुर्गी, रायचूर और गुंटकल होते हुए चलेगी, जो उद्यान एक्सप्रेस का रूट है। यह नई ट्रेन सरकार के बड़े प्लान का हिस्सा है। रेलवे दिसंबर 2026 तक 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू करने की तैयारी में है। इससे पहले कामाख्य-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू की गई थी। शुरूआती महीनों में इस ट्रेन की ऑक्यूपेंसी 100% से ज्यादा रही। 119 ट्रिप में करीब 1.21 लाख यात्रियों ने इसमें सफर किया, जो इस बात का संकेत है कि लोग अब लग्जरी और फास्ट ट्रेन यात्रा को ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

वंदे भारत ट्रेनों की बढ़ती लोकप्रियता

वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत 2019 में हुई थी। तब से इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। अब तक ये ट्रेनें एक लाख से ज्यादा ट्रिप पूरी कर चुकी हैं और करीब 9.1 करोड़ यात्रियों को सफर करा चुकी हैं।

मुंबई-बेंगलुरु के बीच यात्रा आसान होगी

बेंगलुरु और मुंबई देश के बड़े आर्थिक केंद्र हैं। इनके बीच नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने से न सिर्फ यात्रा तेज होगी, बल्कि लोगों को आरामदायक और बेहतर कनेक्टिविटी का विकल्प भी मिलेगा। आने वाले समय में यह ट्रेन लंबी दूरी की यात्रा के तरीके को पूरी तरह बदल सकती है। जहां स्पीड, कंफर्ट और फैसिलिटी तीनों एक साथ मिलेंगे।

नागपुर : डीआरआई की बड़ी कार्रवाई: 853 ग्राम कोकीन जब्त, एक महिला भी गिरफ्तार...

नागपुर : राजस्व खुफिया निदेशालय की नागपुर इकाई ने बड़ी कार्रवाई की और करोड़ों रुपए की कोकीन बरामद की है। बताया गया कि अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। डीआरआई ने 853 ग्राम कोकीन बरामद की है, जिसकी कीमत लगभग 4.26 करोड़ रुपए बताई जा रही है। डीआरआई अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की है। बताया गया कि डीआरआई अधिकारियों ने 12 अप्रैल को नागपुर रेलवे स्टेशन से गुजर रही ट्रेन नंबर 22692 (हजरत निजामुद्दीनझ्र बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस) में यात्रा कर रही एक महिला को शक होने पर रोका। फिर, उसे जांच के लिए अजनी रेलवे स्टेशन पर उतारा गया।

महिला के सामान की तलाशी के दौरान उसके बैग में रखी दो शैम्पू की बोतलें मिलीं जो संदिग्ध और भारी लगीं। जब बोतलों का तरल बाहर निकाला गया, तो उनमें से 50 पीले रंग के सीलबंद कैप्सूल मिले, जिनमें सफेद पाउडर भरा था। जांच किट से जांच करने पर यह कोकीन निकली। जांच में सामने आया है कि कुल 853 ग्राम कोकीन जब्त की गई और महिला को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उसे नागपुर की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

डीआरआई नागपुर लगातार ड्रग्स के खिलाफ सख्त अभियान चला रहा है। इससे पहले भी कई बड़ी कार्रवाई की गई है, जैसे दिसंबर 2025 में वर्धा जिले में मेफेड्रोन की फैक्ट्री पकड़ी गई, जनवरी 2026 में 522 किलो गांजा जब्त किया गया, और फरवरी 2026 में भिलाई व अमरावती में भी बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद की गई। एजेंसी ड्रग्स के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस'की नीति पर काम कर रही है और 'नशा मुक्त भारत'के लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में ड्रग्स के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। मुंबई पुलिस ने साल 2026 के शुरूआती दो महीनों, 1 जनवरी से 28 फरवरी के बीच 158 मामले दर्ज किए और 202 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, इस अवधि के दौरान 106 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 30 करोड़ रुपए आंकी गई है।

गोरेगांव के लाइव कंसर्ट में ड्रग ओवरडोज से लड़के-लड़की की मौत!

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से युवाओं को लेकर एक परेशान करने वाली खबर सामने आई है। गोरेगांव के नेस्को सेंटर में हुए एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान कथित तौर पर अधिक ड्रग्स लेने के बाद दो छात्रों की मौत हो गई। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि होना बाकी है। पुलिस मौत की असली वजह की अभी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि जिस दो छात्रों की मौत ड्रग्स ओवरडोज की वजह से हुई है उनमें एक लड़का और एक लकड़ी शामिल है। पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, दोनों पीड़ितों की उम्र 20 से 22 साल है। दोनों अपने दोस्तों के साथ लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट देखने मुंबई के गोरेगांव इलाके में स्थित नेस्को ग्राउंड में गए थे। पुलिस ने इस मामले इन 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पीड़ित के दोस्त और ऑर्गनाइजर शामिल हैं।

4,000 युवा थे मौजूद

इस खबर ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया है। इसने युवाओं के बीच बढ़ते ड्रग्स के इस्तेमाल को लेकर बड़े पैमाने पर चिंता पैदा कर दी है। यह घटना 11 अप्रैल की देर रात की है। एक बड़े म्यूजिक इवेंट में करीब 3,000 से 4,000 युवा शामिल हुए थे। कॉन्सर्ट के दौरान, कई लोगों ने कथित तौर पर जमकर शराब पी और नशीले पदार्थों का सेवन किया। इसके तुरंत बाद, कुछ लोगों ने अपनी तबीयत खराब होने की शिकायत की।

अस्पताल में दो की मौत, एक की हालत गंभीर

कॉन्सर्ट के दौरान शराब और ड्रग्स का जमकर सेवन हुआ। इसके बाद तबीयत बिगड़ने पर कुछ युवाओं को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत में दो छात्रों को हिंदुहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती किया गया। लेकिन इलाज के दौरान दोनों की दुखद मौत हो गई। जबकि एक और छात्र की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। कॉलेज सर्कल में डर का माहौल है। वनराई पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। मुंबई पुलिस ने मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमे पीड़ित के दो दोस्त भी है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि कंसर्ट में ड्रग्स कहा से आई, ओर इसके पीछे कौन ड्रग सप्लायर है इसकी जांच की जा रही है।

मुंबई : आईआईएम और आईआईटी बॉम्बे ने शुरू किया डिजिटल साइंस व बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स, जेईई मेन स्कोर से मिलेगा एडमिशन...

मुंबई : ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन 2026 में शामिल हुए कैंडिडेट्स के लिए बड़ा अपडेट है. अब जेईई मेन स्कोर से एडमिशन का दायरा बढ़ गया है. अब ऐसे कैंडिडेट्स जेईई मेन स्कोर से डिजिटल साइंस व बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स में भी एडमिशन ले सकेंगे. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मुंबई ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे के साथ मिलकर 4 साल का ये अंडर ग्रेजुएट कोर्स शुरू किया है. ये अपने तरह का पहला कोर्स है, जो टेक्नोलॉजी और बिजनेस लीडरशिप को साथ रखकर तैयार किया गया है. आइए, डिजिटल साइंस व बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स के बारे में विस्तार से जानते हैं. जानेंगे कि इस कोर्स में क्या खास है? साथ ही इस कोर्स के एडमिशन प्रोसेस और फीस के बारे में विस्तार से जानते हैं.

आईआईएम और आईआईटी ने तैयार किया कोर्स

डिजिटल साइंस व बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स की जानकारी आईआईएम मुंबई के डायरेक्टर प्रोफेसर मनोज तिवारी ने दी है. उन्होंने बताया कि आईआईएम मुंबई इस कोर्स को संचालित करेगा, जिसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे और इंडस्ट्री पार्टनर्स के सहयोग से तैयार किया गया है, जो इस सेशन से संचालित किया जाएगा.

जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन मेन स्कोर और इंटरव्यू से एडमिशन

डिजिटल साइंस व बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स में एडमिशन जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन मेन स्कोर के आधार पर दिया जाएगा. एडमिशन के लिए जेईई मेन स्कोर के आधार पर कैंडिडेट्स को शार्टलिस्ट किया जाएगा, इसके बाद उनका एक इंटरव्यू होगा. इसके बाद एडमिशन के लिए फाइनल मेरिट बनेगी.

कोर्स में क्या सीखाया जाएगा

डिजिटल साइंस व बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स को टेक्नोलॉजी और बिजनेस लीडरशिप को साथ रखकर तैयार किया गया है. इस कोर्स में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और रोबोटिक्स के बारे में जानेंगे का मौका मिलेगा. इसके साथ ही कोर्स में मैनेजमेंट के मुख्य स्तंभों: ऑपरेशंस, मार्केटिंग, फाइनेंस और मैन्युफैक्चरिंग के बारे में भी पढ़ाया जाएगा.

70 सीटें, फीस डिटेल्स और 100 फीसदी प्लेसमेंट

डिजिटल साइंस व बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स के लिए 70 सीटें निर्धारित हैं. तो वहीं ये कोर्स डिजिटल रूप से संचालित किया जाएगा, जिसे इंडस्ट्री की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है. इस कोर्स के लिए निर्धारित फीस की बात करें तो इस डिग्री प्रोग्राम की सालाना फीस 6-7 लाख रुपये होगी. तो वहीं 100 प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी भी संस्थान की तरफ से दी जा रही है.

मुंबई : बेकाबू सड़क हादसे; दुर्घटनाओं से हुई मौतों में २३ प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई : महाराष्ट्र में सड़क हादसों ने अब भयावह रूप ले लिया है। हर दिन हो रहे सड़क हादसों और उसमें हो रही मौतों ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुरबाड-कल्याण मार्ग पर हुए ताजा हादसे में ११ लोगों की दर्दनाक मौत ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। इससे पहले भी समृद्धि महामार्ग और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर कई बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है। हालात ऐसे बन चुके हैं कि आम नागरिक घर से निकलते समय अपनी सुरक्षा को लेकर आशंकित है।

बता दें कि राज्य में सड़क हादसों के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। २०१९ में सड़क हादसों में १२,७८८ मौतें हुई थीं, जबकि वर्ष २०२४ में यह आंकड़ा १५,७१५ पर पहुंच गया। विगत पांच वर्ष में इसमें कुल २३ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। समृद्धि महामार्ग पर भी स्थिति चिंताजनक है। वर्ष २०२४ में यहां १३७ हादसे हुए, जबकि वर्ष २०२५ में १८५ हादसे हुए, मतलब ३७ प्रतिशत वृद्धि हुई है। क्रमशः मौतें भी १२६ से बढ़कर १५२ हुई हैं। ये आंकड़े साफ बताते हैं कि सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार पूरी तरह फेल साबित हो रही है। लगातार हो रहे हादसों से लोगों में भारी आक्रोश है। पीड़ित परिवारों को न तो समय पर मदद मिलती है और न ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई होती है। महाराष्ट्र में सड़क हादसे अब 'दुर्घटना' नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी का नतीजा बन चुके हैं। जब तक सरकार सख्त कदम नहीं उठाती, तब तक मौतों का यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है।

अब तक नहीं बनी ठोस रणनीति

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार कौन? क्यों नहीं हो रही सख्त कार्रवाई? सरकार की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर कई दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। न तो ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है और न ही हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस रणनीति नजर आती है। विपक्ष का आरोप है कि परिवहन विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण हादसे बढ़ रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि राज्य में क्षमता से ज्यादा यात्रियों को ढोने वाले वाहनों पर कोई सख्ती नहीं है।

मुंबई : अडानी के फैसले पर अमेरिका का विरोधः नवी मुंबई एयरपोर्ट पर कार्गो शिफ्टिंग को लेकर दी चेतावनी

मुंबई : भारत के एयरपोर्ट सेक्टर में अडानी ग्रुप का बढ़ता दबदबा अब एक अंतरराष्ट्रीय विवाद का रूप लेता दिख रहा है। आपको बता दें कि मुंबई के मौजूदा छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कार्गो विमानों को नवी मुंबई के नए एयरपोर्ट पर शिफ्ट करने के अडानी ग्रुप के फैसले का अमेरिका ने कड़ा विरोध किया है। अमेरिकी परिवहन विभाग ने भारत सरकार को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि ये कदम द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते का उल्लंघन है, जिससे दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में तनाव आ सकता है।

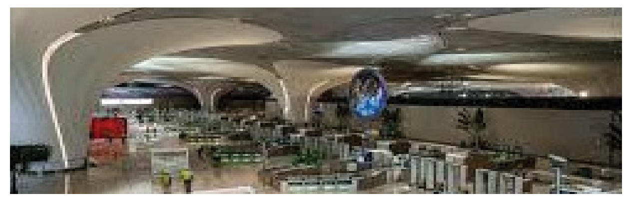

क्या है पूरा विवाद

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने कार्गो ऑपरेटरों जैसे फेडेक्स को निर्देश दिया है कि अगस्त 2026 से मई 2027 के बीच वे अपना परिचालन नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शिफ्ट कर लें। अडानी ग्रुप का तर्क है कि मुख्य मुंबई एयरपोर्ट पर टैक्सीवे के नवीनीकरण का काम होना है, जिससे कार्गो क्षमता 25% तक कम हो जाएगी। हालांकि अमेरिका का मानना है कि ये फैसला तकनीकी मजबूरी कम और नए एयरपोर्ट को जबरन भरने की कोशिश ज्यादा है।

फेडेक्स और द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन

वर्तमान में अमेरिकी कंपनी फेडेक्स मुंबई के मुख्य एयरपोर्ट से संचालित होने वाली इकलौती अमेरिकी कार्गो एयरलाइन है। बता दें कि अमेरिकी अधिकारियों का तर्क है कि शहर के केंद्र से दूर शिफ्ट करने से एयरलाइंस के प्राइम ऑपरेटिंग स्लॉट्स प्रभावित होंगे। डीओटी के अनुसार ये कदम भारत-अमेरिका हवाई परिवहन समझौते के तहत अमेरिकी वाहकों को मिलने वाले अधिकारों का उल्लंघन करता है। अमेरिका ने साफ किया है कि अगर दबाव बनाया गया, तो वह जवाबी कार्रवाई पर विचार कर सकता है। अडानी ग्रुप वर्तमान में भारत का सबसे बड़ा निजी एयरपोर्ट ऑपरेटर है। मुंबई के दोनों एयरपोर्ट्स पर ग्रुप का नियंत्रण होने के वजह से ये सवाल उठ रहे हैं कि क्या ट्रैफिक का बंटवारा निष्पक्ष है।

मुंबईः आउटडोर कामगारों की सुरक्षा के लिए सख्त एसओपी लागू

मुंबईः गर्मी के बढ़ते ही सरकार ने असंगठित क्षेत्र के आउटडोर कामगारों की सुरक्षा के लिए सख्त मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है। आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने इसकी घोषणा की। महाजन के जारी निर्देश के अनुसार, ऑरेंज और रेड अलर्ट के दौरान दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक काम पूरी तरह बंद रहेगा। काम के समय को बदलकर सुबह 6 से 11 बजे और शाम 4 से 8 बजे तक किया गया है। स्थानीय प्रशासन को निर्माण, औद्योगिक और ठेला-वेंडिंग क्षेत्रों में इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। भीषण गर्मी और बढ़ते हीटवेव खतरे के बीच महाराष्ट्र सरकार अलर्ट हो गई है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, तापमान में लगातार वृद्धि, हीटवेव की अवधि बढ़ना और जलवायु परिवर्तन के कारण स्थिति गंभीर होती जा रही है। खासकर, विदर्भ, मराठवाड़ा और खानदेश सबसे अधिक प्रभावित हैं। मुंबई, नागपुर, पुणे और नासिक जैसे राज्य के अन्य शहरों में 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव के चलते तापमान और अधिक बढ़ रहा है। तटीय इलाकों में उच्च आर्द्रता के कारण गर्मी का असर और खतरनाक हो जाता है।

मुंबई : उमस और विदर्भ में लू... अगले 5 दिन महाराष्ट्र के लिए भारी, जानें आपके शहर का हाल

मुंबई : महाराष्ट्र में मौसम का मिजाज अब खतरनाक मोड़ ले रहा है। बेमौसम बारिश का दौर थमते ही सूरज की तपिश ने अपना 'रौद्र रूप' दिखाना शुरू कर दिया है। विदर्भ से लेकर मराठवाड़ा तक पूरा राज्य भीषण गर्मी की चपेट में है, जिससे न केवल आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, बल्कि किसानों की फसलों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

अकोला बना राज्य का 'हॉटस्पॉट', पारा 42 के पार

पिछले 24 घंटों में अकोला राज्य का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया है, जहां तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। केवल अकोला ही नहीं, बल्कि नासिक (41 डिग्री), पुणे और मुंबई में भी गर्मी ने लोगों का पसीना छुड़ा दिया है। मुंबई और कोंकण के तटीय इलाकों में तापमान के साथ-साथ बढ़ती नमी ने उमस को असहनीय बना दिया है। नांदेड़ जैसे शहरों में दोपहर के वक्त सड़कें सुनसान नजर आने लगी हैं।

विदर्भ के लिए 'येलो अलर्ट' जारी...

उत्तर भारत से आ रही गर्म हवाओं के कारण मौसम विभाग ने विदर्भ के अमरावती, अकोला, चंद्रपुर और वर्धा जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। अगले तीन दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक पारा 45 डिग्री के पार नहीं जाता, इसे तकनीकी रूप से लू नहीं कहा जाएगा, लेकिन 42-43 डिग्री का मौजूदा स्तर भी सामान्य से बहुत अधिक है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया जन भवन के आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उद्घाटन

लखनऊ,(एजेंसी) उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जन भवन में 517 लाख की लागत से आधुनिक सुविधायुक्त आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उदघाटन किया। इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी वर्तमान पीढ़ी के ऊपर देश का भविष्य है। यह पीढ़ी जिन संस्थानों में शिक्षा अर्जित कर रही है, सबसे पहली आवश्यकता होती है कि उसके पास अपना भवन हो। राज्यपाल ने जनभवन में आदर्श माध्यमिक विद्यालय के रूप में अभिनव प्रयास को बढ़ाया है। यह माध्यमिक व बेसिक शिक्षा के लिए एक मॉडल भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप इस मॉडल को जनपदों से लोगों को बुलाकर दिखा सकते हैं। खासतौर पर मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय के जो मॉडल बन रहे हैं, उसमें इसको आप वहाँ स्वीकार करके आगे बढ़ा सकते हैं। इस भवन में पांच करोड़ 17 लाख रुपये कुल खर्च हुए हैं। उनमें चार करोड़ 70 लाख ही सरकार ने दिए हैं। शेष सीएसआर और राज्यपाल ने अलग से जुटाकर बनाया है। जो दिखेगा वही समाज में बिकेगा। जैसा हम प्रस्तुत करेंगे, वैसा ही लोग स्वीकार भी करेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भवन अच्छा और योग्य है, तो उसके अनुरूप शिक्षा का माहौल बनाने में मदद मिलेगी। यहां बच्चों के स्पोर्ट्स मीट होते हैं। यहां के बच्चों में अंदर विभिन्न गतिविधियों को देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के वह वैज्ञानिक जिन्होंने शून्य व खगोल की अद्भुत अवधारणाएं दीं, वह कोई और नहीं आर्यभट्ट थे। आकाश के रहस्यों को पहली बार उद्घाटित करने वाले वराहमिहिर थे। जो आज की सर्जरी है, केवल आयुर्वेद ही नहीं एलोपैथ भी जिन्हें आदर्श मानता है, वह सुश्रुत थे। आयुर्वेद को विज्ञान का स्वरूप कैसे दिया जाना चाहिए, यह चरक ने हमें बताया। जगदीश चन्द्र बसु ने विज्ञान में नए आयाम जोड़े। मनुष्य, जीव ही नहीं वनस्पति में भी जीव का अंश है। यह वैज्ञानिक बसु ने बताया। प्रकाश का रहस्य क्या होता है, यह सीवी रमन ने हमें बताया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह उपस्थित रहे।

निबंध साहित्य के पुरोधा बाबू गुलाब राय की साहित्यिक सृजन यात्रा का भागीदार रहा है आगरा, पुण्यतिथि पर विभिन्न आयोजन

आगरा (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के जनपद आगरा को हिंदी जगत के साहित्यिक पटल पर विशेष पहचान दिलाने वाले निबंध साहित्य के अजेय पुरोधा बाबू गुलाब राय की आज 13 अप्रैल को 63 वीं पुण्यतिथि है। आज ही के दिन 13 अप्रैल 1963 को आगरा में चिर निद्रा में लीन हुए थे। बाबू गुलाब राय स्मृति संस्थान आगरा की अध्यक्ष डा0 शशि तिवारी ने बताया कि आगरा में थाना हरी पर्वत क्षेत्र अंतर्गत दिल्ली गेट बाबू गुलाब राय की यादें और विरासत को संजोए हुए हैं। दिल्ली गेट पर दीप केमिस्ट के सामने गली में अंदर बाबू गुलाब राय जी का मकान आज भी मौजूद है जिसमें उनके प्रपोत्र गौरव(63) और संजय राय (55) रह रहे हैं; यह मार्ग उन्हीं के नाम से बाबू गुलाब राय मार्ग के रूप में जाना जाता है। इस मकान की दोनों गेटों पर लगी उनके नाम की पट्टीकायें जिन पर बाबू 'गुलाब राय एम. ए' अंकित है उनके मकान को साहित्यिक धरोहर के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। बाबू गुलाब राय के प्रपोत्र संजय राय की पत्नी प्रेरणा राय बताती हैं कि बाबू जी का जन्म जन्म 17 जनवरी 1888 को इटावा में हुआ था, प्रारंभिक शिक्षा भी वही हुई लेकिन आगे की शिक्षा के लिए वे आगरा आ गए।उन्होंने आगरा कॉलेज से बी ए करने के बाद दर्शनशास्त्र में एमए किया और एल एल बी भी किया। उसके बाद छतरपुर रियासत के महाराजा द्वारा अपनी रियासती जिम्मेदारी के लिए छतरपुर बुला लिया गया। वहां कई वर्षों तक सेवाएं देने के बाद वह पुनःआगरा लौट आए और सेंट जोस कॉलेज में हिंदी विभाग के विभाग के अध्यक्ष बन गए। आगरा आकर साहित्यिक सृजन को दिया पूरा समय आगरा आकर शिक्षण और अध्यापन कार्य से जुड़ने के बाद वह अपनी साहित्यिक रचनाओं के सृजन में पूरा समय देने लगे। प्रारंभिक रचनाओं में उनके साहित्य में दार्शनिक पुट का भरपूर समावेश है लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपने साहित्य सृजन को जन भावनाओं के अनुरूप मोड़ दिया। गुलाबराय जी अपने जीवन के अन्तिम काल तक साहित्य -साधना में लीन रहे । उनकी साहित्यिक सेवाओं के फलस्वरूप आगरा विश्वविद्यालय ने उन्हें डी. लिट की उपाधि से सम्मानित किया । बाबू गुलाब राय जी के प्रपोत्र संजय राय सभासद नगर निगम आगरा साहित्यिक चर्चा करते हुए कहते हैं कि कोई लेखक हमारे लिए तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब उसकी दृष्टि युग पर होती है, समय पर होती है और युग को एक नई दृष्टि देने की ललक उसके साहित्य में दृष्टिगोचर होती है। बाबू गुलाबराय एक ऐसे ही साहित्यकार थे,जो अपनी दार्शनिक विचारधारा के साथ कहीं एक सफल निबंधकार, कहीं सशक्त इतिहास लेखक, कहीं सफल सम्पादक और बहुमुखी रचनाकार के रूप में दिखाई देते हैं। बाबू गुलाबराय का साहित्यिक क्षितिज अत्यन्त व्यापक है। बाबू गुलाब राय की स्मृति में होंगे कई कार्यक्रम संजय राय ने बताया कि बाबूजी ने कई वर्ष तक सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा में हिंदी विभाग अध्यक्ष रहकर अध्यापन कार्य किया। इसलिए इस अवसर पर उनको विनम्र श्रद्धांजलि देने के लिए दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक कॉलेज सभागार में साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया है जिसमें हम परिजनों को भी विशेष रूप से बुलाया गया है और हम लोग वहां भाग लेंगे।

वृंदावन नाव हादसा : यमुना नदी से दो और शव बरामद, मृतकों की संख्या 15 हुई, एक की तलाश जारी

मथुरा (एजेंसी) । मथुरा जिले में यमुना नदी में पंजाब के श्रद्धालुओं की नाव पलटने के बाद डूब कर मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। सोमवार को बचाव दल ने नदी से दो और शव बरामद किए हैं। अभी भी एक व्यक्ति लापता बताया जा रहा है, जिसकी तलाश लगातार जारी है। सोमवार को एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस के संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान यमुना नदी से दो शव और बरामद किये हैं, जिनमें एक की पहचान पंजाब निवासी यश भल्ला उर्फ युवराज के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार यश भल्ला उन 16 लोगों में शामिल थे, जो नाव पलटने के बाद यमुना के तेज बहाव में लापता हो गए थे। उनका शव केसीघाट के निकट देवराह बाबा घाट के पास झाड़ियों में फंसा मिला। लंबे समय तक पानी में रहने के कारण शव क्षत-विक्षत अवस्था में था। इसके बाद बचाव दल ने बंगाली घाट के पास से एक युवती का भी शव बरामद कर लिया। जिसकी पहचान मोनिका दुगरी के रूप में हुई है। नाव हादसे में मरने वालों की संख्या अब 15 हो गई है। यह पूरा रेस्क्यू ऑपरेशन राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम चला रही है। टीम लगातार यमुना नदी में सर्च अभियान चला रही है और लापता लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बरामद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही सेना की स्ट्राइक वन कोर और एनडीआरएफ की संयुक्त टीमें इलाके में राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। अभी एक व्यक्ति और लापता बताया जा रहा है। उसका नाम पंकज है। उसकी खोज के लिए बचाव दल लगातार जुटे हैं। अपर पुलिस अधीक्षक देहात सुरेश चन्द्र रावत ने बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और निजी गोताखोरों की टीमों को सात सेक्टरों में बांटकर लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ड्रोन की मदद से भी नदी और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की जा रही है। फिलहाल एक व्यक्ति अभी भी लापता है, जिसकी तलाश के लिए बचाव दल लगातार अभियान चला रहा है। प्रशासन के अनुसार जब तक लापता व्यक्ति का पता नहीं चल जाता, तब तक सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा।

डॉ. सौरभ कौशल ने बढ़ाया अलीगढ़ का मान, शोध पत्र वाचन एवं श्रेष्ठ आलेख में मिला सम्मान

अलीगढ .(एजेंसी) भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से दो दिवसीय ह्लउदंड मार्तण्ड से ए.आई. युग तकः दो शताब्दियों का महासंवादह्ल विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी रविवार को संपन्न हुई। कार्यक्रम में अलीगढ़ जनपद के डॉ. सौरभ कौशल ने अपना शोध पत्र वाचन किया एवं श्रेष्ठ आलेख के रूप में सम्मान प्राप्त किया। उनका यह शोध पत्र हिन्दी पत्रकारिता और भारतीय सिनेमाःअंतर्विषयक सांस्कृतिक और सामाजिक विश्लेषणह्ल विषय पर केंद्रित रहा। उन्होंने 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हिंदी पत्रकारिता के उदय एवं 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में सिनेमा के आगमन से लेकर आज वर्तमान परिदृश्य तक दोनों बीच परस्पर समांतर संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सामयिक परिवर्तनों को आलेखित किया। डॉ. कौशल शिक्षाविद स्व. एन.डी. कौशल (पूर्व प्रधानाचार्य डीएवी इंटर कॉलेज, अलीगढ़) के सुपुत्र हैं और वर्तमान में मेडिकल कॉलेज प्रयागराज में कार्यरत हैं। उनकी धर्मपत्नी डॉ इंदु शर्मा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संगीत विभाग में प्रोफेसर हैं। डॉ. कौशल ने श्रेष्ठ आलेख सम्मान मिलने पर सोमवार को बताया कि वे एएमयू में मेडिकल साइंस के विद्यार्थी रहे। इसके बावजूद भी पिता से विरासत में मिली लेखन कला ने उनके व्यक्तित्व में साहित्यिक सृजन के माध्यम से हिंदी भाषा एवं साहित्य की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में उनके लगभग 12 राष्ट्रीय एवं चार अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशित हो चुके हैं। गत वर्ष 22 नवंबर को भी उन्होंने विश्व हिंदी परिषद (अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन, विज्ञान भवन नई दिल्ली) की ओर से श्रेष्ठ आलेख का सम्मान प्राप्त कर उन्होंने अलीगढ़ का मान बढ़ाया है। डॉ. कौशल की इस गौरव पूर्ण उपलब्धि पर कोल विधायक अनिल पाराशर, डॉ. सुरेश पचौरी, एमडी डॉ. कार्तिकेय शर्मा, शिव शंकर चौहान (सदस्य रेलवे बोर्ड), यतेंद्र पाल सिंह, गवेन्द्र पाल सिंह राठौर, प्रदीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार), विनीत शर्मा आदि ने शुभकामनाएं दीं एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रथयात्रा से गोदौलिया के बीच बारिश से पहले होगी रोप पुलिंग, एक्सपर्ट ऐसे करेंगे काम

वाराणसी (एजेंसी) रथयात्रा से गोदौलिया के बीच बारिश से पहले रोप पुलिंग होगी। रोप पुलिंग के बाद ट्रायल रन कराया जाएगा। दूसरे सेक्शन के निर्माण के बाद पूरे रोपवे में करीब 148 ट्रॉलीकार चलेंगी। बारिश से पहले रथयात्रा से गोदौलिया के बीच रोप पुलिंग का काम पूरा कराया जाएगा। इसके लिए पूरी कार्ययोजना बना ली गई है। एक अधिकारी के अनुसार, रथयात्रा से गोदौलिया के बीच रोप पुलिंग के बाद ट्रायल रन कराया जाएगा। पहले सेक्शन, कैंट से रथयात्रा के बीच ऑस्ट्रिया की एक्सपर्ट कंपनी रोप एक्सपर्ट्स के इंजीनियरों ने रोप पुलिंग का कार्य किया था। इस कार्य के लिए यूरोप से ड्रोन और उपकरण आयात किए गए थे। इसी प्रकार दूसरे सेक्शन के लिए बाकी उपकरण मंगाए गए हैं। काशी में यातायात की व्यवस्था को सुगम और सुचारु बनाने में रोपवे को संजीवनी के रूप में देखा जा रहा है। दूसरे सेक्शन के निर्माण के बाद पूरे रोपवे में करीब 148 ट्रॉलीकार चलेंगी। रोपवे की कुल दूरी 3.85 किलोमीटर है। कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया पहुंचने में लगभग 16 मिनट का समय लगेगा। एक ट्रॉलीकार में 10 यात्री सवार हो सकते हैं। रोपवे का संचालन 16 घंटे होगा। एक दिशा में एक घंटे में 3,000 लोग यात्रा कर सकेंगे। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के अनुसार, रोपवे के प्रथम चरण के दूसरे सेक्शन, रथयात्रा से गोदौलिया तक का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। रोपवे निर्माण के लिए रोप पुलिंग का कार्य शुरू करने से पहले ऑस्ट्रिया की रोप एक्सपर्ट्स कंपनी के इंजीनियर निरीक्षण करेंगे। वे रोपवे स्टेशन, टावर एलाइनमेंट आदि समेत सभी पहलुओं की तकनीकी जांच करेंगे। कैंट रेलवे स्टेशन, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा रोपवे स्टेशनों में रोपवे के संचालन के लिए लगभग सभी उपकरण इंस्टॉल किए जा चुके हैं। विश्व के तीसरे रोपवे का निर्माण काशी में यातायात को गति देने के लिए तेजी से चल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मानकों का हो रहा कड़ाई से पालन अधिकारी ने बताया कि सरकार पर्यटकों की सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए सुरक्षा संबंधी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सभी मानकों का कड़ाई से पालन कर रही है। देश के पहले अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे पर पर्यटक जल्द ही प्रदूषण रहित और सुरक्षित यात्रा कर सकेंगे। रोपवे के संचालन के लिए टावर इंस्टॉलेशन के बाद प्रथम चरण की रोप पुलिंग हो चुकी है, जबकि दूसरे चरण की रोप पुलिंग बाकी है। रोप पुलिंग का कार्य शुरू करने से पहले निरीक्षण के लिए ऑस्ट्रिया से विदेशी विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम आई थी।

भूत बंगला फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में हॉरर-कॉमेडी का दमदार बेलेंस देखने को मिल रहा है। साथ ही ट्रेलर में एक्ट्रेस मिथिला पालकर भी दिखाई दीं। अब उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें प्रियदर्शन की इस फिल्म में रोल कैसे मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर किया खुलासा दरअसल, मिथिला पालकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ एक पोस्ट शेयर की। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि वो कल्याणी प्रियदर्शन थीं, जिन्होंने अपने पिता प्रियदर्शन को मिथिला के बारे में बताया।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक अपॉर्चुनिटी, जो कभी मैंने सोची भी नहीं थी। कल्याणी की बहुत आभारी, जिनके बिना ये आइडिया पहुंच भी नहीं पाता। और प्रियन सर, आपका भरोसा करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आपको बता नहीं सकती कि इस फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा। बहुत-बहुत आभारी। दर्शकों का बहुत शुक्रिया, जिन्होंने ट्रेलर को इतना प्यार दिया। मैं इंतजार नहीं कर सकती आप लोगों का फिल्म देखने के लिए। मिथिला की इस पोस्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने कमेंट किया और कहा कि उन्होंने बस अपने पिता को बताया कि वे मिथिला की फैन हैं, और उससे ज्यादा कुछ नहीं किया। बता दें कि कल्याणी प्रियदर्शन भी एक्ट्रेस हैं, और साउथ की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कब रिलीज होगी भूत बंगला?

बता दें कि फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ डायरेक्टर प्रियदर्शन और एक्टर अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद फिर से साथ आने वाली है। अक्षय के अलावा इसमें वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी अहम किरदार में नजर आएंगे।

'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर ट्रोल हो रहीं दीपिका पादुकोण ने दिया जवाब

'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म ने अपनी सफलता के जरिए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। हाल ही में इसने 1 हजार का आंकड़ा पार किया था। फिल्म के लिए रणवीर सिंह को भी लोगों से खूब प्यार मिल रहा है। लेकिन इन सब के बीच रणवीर सिंह की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की तरफ से फिल्म को लेकर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया। इसके लिए फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। अब इस पर एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया है।

सोशल मीडिया पर किया जा रहा था ट्रोल

दरअसल, एक इंस्टाग्राम रील के कैप्शन में लिखा था- 'दीपिका ने 500 करोड़ बजट फिल्म को साइलेंट ट्रीटमेंट दिया है। जब फिल्म ग्लोबल रिकॉर्ड बना रही थी, तब वे अपने ससुराल वालों के साथ सितार का कॉन्सर्ट देखने पहुंच गईं। ना कोई पोस्ट, ना कोई तारीफ...बस चुप्पी। क्या वो डायरेक्टर को कोई स्टेटमेंट देना जाहती हैं या फिर इंटरनेट ड्रामा से दूर हैं।

दीपिका ने खुद किया कमेंट

जब ये रील दीपिका तक पहुंची, तो उन्होंने खुद कमेंट कर जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'दूसरी वाली बात सही है मेरे दोस्त... और हां, मैंने ये फिल्म आप सबसे पहले ही देख ली थी। अब बताओ, मजाक किसका बन रहा है?'

फैंस ने किया दीपिका का समर्थन

उनके इस जवाब के बाद फैंस भी उनके समर्थन में आगे आ गए। एक ने कमेंट किया- 'शायद वो प्रीमियर के दिन अपने पति की लाइमलाइट नहीं लेना चाहती थीं।' वहीं दूसरे ने लिखा- 'वे अपने बच्चे की देखभाल में व्यस्त हैं, उन्हें अकेला छोड़ दो।' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'उन्हें लोगों से अपने रिलेशनशिप और पति को लेकर वैलिडेशन की जरूरत नहीं।'

भाषा की बाधा अब खत्म हो रही है

हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना अब साउथ में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अपारशक्ति साई-फाई थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इससे पहले अभिनेता ने भाषा की बाधा की खत्म होती धारणा और क्षेत्रीय सिनेमा के बढ़ते स्तर को लेकर बात की। बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपनी फिल्म की कहानी और भाषा की सीमाओं को लेकर कहा कि जैसे-जैसे ज्यादा कलाकार हिंदी सिनेमा से हटकर क्षेत्रीय सिनेमा में काम करने की ओर बढ़ रहे हैं, भाषा को एक बाधा मानने की धारणा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। मुझे लगता है कि कहानी ने मुझे स्वाभाविक रूप से अपनी ओर खींच लिया। भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब क्षेत्रीय सिनेमा हमारे देश में इतना प्रासंगिक हो गया है। हिंदी भाषी दर्शकों का तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों की ओर रुख करना वाकई कमाल है।

एस. सूर्यप्रताप द्वारा निर्देशित साइ-फाइ थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार है।

सोना महापात्रा ने बताई बॉलीवुड अवॉर्ड शो की काली सच्चाई

'चेतक स्क्रीन अवॉर्ड' में आलिया भट्ट ने सुनील सिंह ग्रोवर के साथ मिलकर महफिल सजाने की कोशिश की, लेकिन अब सोशल मीडिया पर उनके होस्टिंग के वीडियो को वायरल कर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स का कहना है कि अभिनेत्री को कॉमेडी करनी नहीं आती और वे प्रियंका चोपड़ा को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं।

अब सिंगर सोना महापात्रा ने आलिया भट्ट को सपोर्ट करते हुए वीडियो पोस्ट किया है और बॉलीवुड में काम करने वालों की एकता पर भी सवाल किए हैं। सिंगर का कहना है कि जब कोई शो लाइव चलता है तो रीटेक का ऑप्शन नहीं होता है और स्टेज पर आकर लोगों को हंसाना बहुत मुश्किल काम है और बॉलीवुड में लाइव शो करना ही अपने आप में बहुत बड़ा स्टंट है। सिंगर का यह भी कहना है कि अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है, लेकिन उस दौरान ऑडियंस में बैठे स्टार्स ने भी उनकी होस्टिंग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, जो गलत था और अब ट्रोलिंग होने पर भी कोई सामने नहीं आ रहा है।

सोना महापात्रा ने यह भी साफ किया कि सिर्फ मंच से होस्टिंग काफी नहीं होती है, बल्कि ऑडियंस में बैठे लोगों को भी मंच पर खड़े होस्ट का हौसला बढ़ाना होता है, लेकिन उस दिन सबकी एनर्जी और रिएक्शन मरा हुआ था। उन्होंने खुद का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि शबाना आजमी मिजवान फैशन शो होस्ट करती हैं और वहां रैंप पर चलने वालों की एनर्जी हाई होती है और ऑडियंस में बैठे बॉलीवुड स्टार्स की एनर्जी जीरो होती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की कि वे आलिया भट्ट को ट्रोल न करें।

सिंगर सोना ने कहा, 'मुंबई फिल्म उद्योग सफलता और संघर्ष की मानसिकता को दूर नहीं करती। हम जितने अधिक 'सफल' होते जाते हैं, उतने ही कम उदार होते जाते हैं? तालियों की जगह हिसाब-किताब ले लेता है। प्रोत्साहन की जगह खामोश प्रतिस्पर्धा ले लेती है। सितारों और कामयाब लोगों से भरा कमरा, लेकिन फिर भी, कोई एक-दूसरे का साथ नहीं देता।'

सिंगर ने आलिया को सपोर्ट करते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है और यूजर्स भी उनका बराबर साथ दे रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब आलिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले उनके और रणबीर कपूर के रिश्ते को लेकर भी उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

मुंबई : विधान परिषद की 17 सीटों पर लंबे समय से अटका चुनाव निर्णायक मोड़ पर

मुंबई : स्थानीय स्वराज्य संस्था कोटे से विधान परिषद की १७ सीटों पर लंबे समय से अटका चुनाव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। वजह बना है एक तकनीकी लेकिन बेहद असरदार नियम-७५ प्रतिशत मतदाता की उपलब्धता-जिसने सियासी तस्वीर ही बदल दी है। बीते तीन साल से स्थानीय निकाय चुनाव न होने के कारण ये सीटें एक-एक कर खाली होती गईं। ओबीसी आरक्षण के विवाद ने प्रक्रिया को और उलझाया, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। पिछले छह महीनों में राज्य के कई हिस्सों में नगरपंचायत, नगरपालिका, महापालिका और १२ जिलों में जिला परिषद-पंचायत समिति चुनाव पूरे हो चुके हैं, जिससे चुनावी ढांचा फिर सक्रिय हुआ है।

चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, भले ही २० जिलों में जिला परिषद चुनाव अभी बाकी हैं, लेकिन इससे विधान परिषद चुनाव पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। कारण साफ है-जहां ७५ प्रतिशत से ज्यादा मतदाता उपलब्ध हैं, वहां चुनाव कराए जा सकते हैं। यही नियम अब सियासत का गेमचेंजर बन गया है। पुणे, सोलापुर, सांगली-सातारा और रायगड-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग में १०० प्रतिशत मतदाता मौजूद हैं, वहीं बाकी जिलों में भी नगरपालिका और महापालिका स्तर के प्रतिनिधियों के कारण ७५ प्रतिशत का आंकड़ा आसानी से पार हो रहा है। यानी चुनावी रास्ता लगभग पूरी तरह साफ है। अंदरखाने हलचल तेज है। राजनीतिक दलों ने संभावित उम्मीदवारों पर मंथन शुरू कर दिया है। गठजोड़, समीकरण और रणनीति सब कुछ फिर से तय किया जा रहा है। क्योंकि ये सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि सत्ता संतुलन की नई बिसात है। चुनाव आयोग ने जिलावार मतदाता सूची मंगवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जैसे ही सूची अंतिम रूप लेगी, चुनाव कार्यक्रम घोषित होने की संभावना है। सूत्र बताते हैं कि तीन से छह महीनों के भीतर चुनाव हो सकते हैं, जिससे राज्य में सियासी तापमान अचानक बढ़ेगा। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया में एक संवेदनशील पहलू भी है। जिन जिलों में जिला परिषद चुनाव नहीं हुए, वहां के सदस्य मतदान से बाहर रह सकते हैं। इससे राजनीतिक असंतोष और विवाद की नई जमीन भी तैयार हो सकती है।

मुंबई : केरल में हत्या का दोषी मुंबई से गिरफ्तार, पुलिस से बचने के लिए कचरा उठाने वाला बना...

मुंबई : केरल में हत्या का एक दोषी बीते साल से फरार चल रहा था और अब मुंबई से पकड़ा गया है। हत्यारा पुलिस से बचने के लिए मुंबई में कूड़ा बीनने वाला बनकर रह रहा था। हत्यारे युवक को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 25 वर्षीय विनीश के रूप में हुई है, जो केरल के मलप्पुरम जिले का निवासी है।2021 में हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था

पुलिस ने बताया कि विनीश को वर्ष 2021 में दर्ज एक हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। यह मामला जिले के पेरिन्थलमन्ना पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था। विनीश जेल में बंद था, जहां उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई। इसके बाद उसे इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, पिछले साल पुलिसकर्मियों और अस्पताल प्रशासन को चकमा देकर विनीश अस्पताल से फरार हो गया।

फरारी के बाद वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा। वह पहले ट्रेन से केरल से नागपुर पहुंचा और बाद में मुंबई आ गया। जांच में पता चला कि मुंबई पहुंचने के बाद उसने पहचान छिपाने के लिए कबाड़ी का रूप अपना लिया। पुलिस ने बताया कि विनीश शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में घूम-घूमकर कचरा बीनने वाला बनकर रह रहा था और शक से बचने की कोशिश कर रहा था।

मुखबिर की सूचना पर मुंबई पुलिस ने हत्यारे को पकड़ा

पिछले हफ्ते आरपीएफ को एक मुखबिर से आरोपी के बारे में सूचना मिली, जिसके बाद टीम ने जाल बिछाकर उसकी पहचान तस्वीरों के जरिए सुनिश्चित की। जब पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो वह भागने लगा, लेकिन टीम ने उसे दक्षिण मुंबई स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) स्टेशन के पास घेरकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की सूचना केरल पुलिस को दी गई, जिसके बाद एक टीम मुंबई पहुंची। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपी को केरल पुलिस के हवाले कर दिया गया।

मुंबई : दरभंगा की फ्लाइट अचानक डायवर्ट... वाराणसी में की लैंड, यात्रियों में हड़कंप!

मुंबई पुलिस ने यूट्यूबर को किया अरेस्ट...

मुंबई: सोशल मीडिया पर तेजी से व्यूज पाने की चाहत और अधिक से अधिक कमाई करने की होड़ ने एक खतरनाक डिजिटल ट्रेंड को जन्म दे दिया है। यूट्यूब चैनल वाले विभिन्न हादसे और घटनाओं को भ्रामक कंटेंट के साथ सनसनीखेज वीडियो बनाकर इसकी मदद से यूट्यूब पर दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इस डिजिटल ट्रेंड को मुंबई में सामने आए एक ताजा मामले ने उजागर किया है। साइबर पुलिस ने वायरल वीडियो के जरिए पैसे कमाने की कोशिश में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

विमान हादसे से जुड़ा भ्रामक वीडियो बनाया

पश्चिम साइबर पुलिस के मुताबिक, आरोपी अक्षय सोनाले ने बारामती में हुए एक राजनेता के कथित विमान हादसे से जुड़ा आपत्तिजनक और भ्रामक वीडियो तैयार कर उसे यूट्यूब पर अपलोड किया था। इस वीडियो को इस तरह पेश किया गया कि लोगों में डर और भ्रम फैल सके, जिससे अधिक से अधिक व्यूज मिलें और चैनल की कमाई बढ़े। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त वीडियो को जानबूझकर सनसनीखेज बनाकर पेश किया गया था, जिसकी वास्तविक जानकारी से कोई संबंध नहीं था। यह यूट्यूब चैनल अक्षय ने पत्नी के नाम से पंजीकृत किया था जबकि नंबर अपना डाला था। इसके चलते पुलिस अक्षय तक पहुंचने में कामयाब रही। बांद्रा कोर्ट ने अक्षय को पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पहले भी हुई थी एक की गिरफ्तारी

इस मामले में पहले भी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसने यह वीडियो आरोपी तक पहुंचाया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी उद्धव कापसे जालना का निवासी है। उद्धव ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सनसनीखेज वीडियो बनाकर अपलोड किया था। इस वीडियो को काफी व्यूज मिले थे।

मुंबई : नया 3MW डेटा सेंटर लॉन्च, AI और क्लाउड क्षमता होगी मजबूत

मुंबई : पाई डेटा सेंटर्स ने मुंबई के मध्य में 3 मेगावॉट क्षमता के अपने नए डेटा सेंटर के पहले चरण की शुरूआत की घोषणा की है। जेएलएल के साथ साझेदारी से भारत में उसकी हाइपरस्केल, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए तैयार, को-लोकेशन और क्लाउड डेटा सेंटर क्षमता को 23 मेगावॉट तक बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मुंबई का यह डेटा सेंटर अगस्त 2026 तक चालू हो जाएगा। वैश्विक वाणिज्यिक अचल संपत्ति सेवा और निवेश प्रबंधन फर्म जेएलएल मुंबई में पाई के पहले डेटा सेंटर की लीज के लिए विशेष सलाहकार थी।

मुंबई का नया सेंटर आंध्र प्रदेश के अमरावती में पाई की मौजूदा 60 मेगावॉट हाइपरस्केल क्षमता और तेलंगाना के हैदराबाद में अक्टूबर 2026 में शुरू होने वाली अन्य 3 मेगावॉट क्षमता का पूरक होगा। कंपनी ने कहा कि मुंबई का डेटा सेंटर नई पीढ़ी की डिजिटल जरूरतें पूरा करने के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। इससे भारत के प्रमुख बाजारों में उद्यमों, हाइपरस्केलर्स और एआई-संचालित व्यवसायों की सेवा करने के लिए पाई की क्षमता बढ़ेगी। नए बुनियादी ढांचे और भविष्य के लिए तैयार डिजाइन के साथ यह डेटा सेंटर अधिक उपलब्धता, स्केलेबिलिटी और परिचालन लचीलापन मुहैया कराने के लिहाज से बनाया गया है।

पाई डेटा सेंटर्स के संस्थापक, चेयरमैन एवं मुख्य कार्याधिकारी कल्याण मुप्पानेनी ने कहा, 'क्षमता में इस बढ़ोतरी से हम प्रमुख क्षेत्रों में निर्बाध और उच्च-प्रदर्शन वाला डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने में सक्षम हो जाएंगे। अमरावती में पहले से ही हमारा 60 मेगावॉट इन्फ्रास्ट्रक्चर है और अक्टूबर 2026 में हैदराबाद में 3 मेगावॉट क्षमता का एक और डेटा सेंटर आ रहा है।'

मुंबई : बढ़ती गर्मी की समस्या; युवासेनाप्रमुख और विधायक आदित्य ठाकरे ने महायुति सरकार पर जोरदार हमला बोला...

मुंबई : मुंबई और उपनगरों में लगातार बढ़ रही गर्मी को लेकर शिवसेना नेता, युवासेनाप्रमुख और विधायक आदित्य ठाकरे ने महायुति सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बढ़ती गर्मी की समस्या का सरकार के पास एक ही उपाय है, पेड़ों को काटना और उनकी जगह कंक्रीट डालो। इस संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। बता दें कि मुंबई शहर और उपनगरों में एक बार फिर गर्मी का प्रकोप बढ़ने लगा है। पिछले कुछ दिनों तक सामान्य स्तर पर रहने वाला अधिकतम तापमान रविवार को लगातार दूसरे दिन तेजी से बढ़ा। इसी दौरान हवा की गुणवत्ता भी गिर गई और प्रदूषण में वृद्धि हुई। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की संभावना जताई है। मार्च में तीव्र रही गर्मी का असर अप्रैल के पहले सप्ताह में कुछ कम हुआ था, लेकिन दूसरे सप्ताह में तापमान फिर से बढ़ गया। सोमवार को बोरीवली में ३९.३ डिग्री, सांताक्रुज में ४० डिग्री, चेंबूर में ४२.४ डिग्री, नवी मुंबई में ४४.१ डिग्री और ठाणे में ४८.६ डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com